भा कृ अनु प – केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई में 4 से 8 मार्च 2024 तक "मीठापानी जल कृषि के लिए जलीय आहार उत्पादन प्रौद्योगिकी और फीडिंग प्रबंधन" पर झारखंड के प्रतिभागियों के लिए एसडीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम – प्रतिवेदन

भा कृ अनु प – केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई द्वारा झारखंड के 8 क्षेत्रों के 25 चयनित प्रगतिशील मत्स्य किसानों के लिए दिनांक 4-8 मार्च 2024 तक "जलीय आहार उत्पादन प्रौद्योगिकी और मीठापानी जलकृषि के लिए भोजन प्रबंधन" पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. एन.पी. साहू, संयुक्त निदेशक, आईसीएआर-सीआईएफई ने डॉ. के.एन. मोहंता, विभागाध्यक्ष, मत्स्य पोषण विभाग,जैव रसायन एवं कायिकी की उपस्थिति में किया। इस कार्यक्रम मे डॉ. सिकेंद्र कुमार और डॉ. टिंसी वर्गीस, वैज्ञानिक और प्रशिक्षण कार्यक्रम के पाठ्यक्रम समन्वयक, अन्य प्रमुख संसाधन व्यक्ति, डॉ. सुबोध गुप्ता और डॉ. आशुतोष डी. देव भी उपस्थित थे। प्रारंभ में, डॉ. सिकेंद्र कुमार ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की पाठ्यक्रम सामग्री की रूपरेखा प्रस्तुत की। अपने उद्घाटन भाषण में डॉ. एन.पी. साहू ने दानेदार फ़ीड तैयार करने और फ़ीड-आधारित जलीय कृषि में स्थानीय सामग्रियों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए अपने प्रगतिशील किसानों को तैनात करने के लिए मत्स्य पालन विभाग, झारखंड को धन्यवाद दिया और कामना की कि वर्तमान प्रशिक्षण निश्चित रूप से मछली पोषण और एक्वाफीड के बारे में उनके ज्ञान और समझ को बढ़ाएगा। प्रशिक्षु की मांग के अनुसार, इस अवसर पर हिन्दी भाषा में प्रशिक्षण पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। डॉ. के.एन. मोहंता ने अपने व्याख्यान में व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण मछलियों की पोषक तत्वों की आवश्यकताओं पर जोर दिया। प्रशिक्षुओं को 14 सैद्धांतिक और 12 व्यावहारिक कक्षाओं के अलावा मछली चारा उत्पादन तकनीक, चारा परीक्षण और गुणवत्ता आश्वासन का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम बेहद सफल रहा और मत्स्य पालन विभाग द्वारा इसकी सराहना की गई।

झारखंड सरकार और स्वयं प्रशिक्षुओं ने भी अपने फीडबैक में इतने अच्छे प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए डॉ. रविशंकर सी.एन., निदेशक/कुलपति, आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई को धन्यवाद दिया।

Fig1: The inauguration of the five days training programme

Fig2: SDP training participants for the five days training programme

Fig3: Lecture by Dr.K. N. Mohanta, Head, Fish Nutrition, Biochemistry and Physiology Division

Fig4: Pelleted feed preparation by the trainees using the spheronizer

Fig 5: Pelleted feed preparation for grow-out fish culture by the trainees

Fig 6: Feed analysis in the lab during the training programme